कुल पृष्ठ संख्या–24 (कवर पेज सहित)　　　　　　　　क्रम संख्या.... 438581

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर

माध्यमिक परीक्षा

(परीक्षार्थी द्वारा स्वयं भरा जाना चाहिये)

Candidate's Roll No. In English

(In Figures)

(In Words) --

परीक्षार्थी का नामांक हिन्दी में

शब्दों में --

नोट :– परीक्षार्थी उपरोक्त के अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका के अन्य किसी भी भाग में अपना नामांक नहीं लिखें।

माध्यम – हिन्दी ✓ अंग्रेजी ☐

विषय ....संस्कृत....

परीक्षा का दिन....गुरुवार....

दिनांक ....16 – 3 – 2017....

नोट :– परीक्षार्थी के लिए आवश्यक निर्देश इस पृष्ठ के पिछले भाग पर उल्लेखित हैं। जिन्हें सावधानी पूर्वक पढ़ लें व पालना अवश्य करें।

परीक्षक हेतु निर्देश :– (1) परीक्षक को उपरोक्त सारणी अनुसार प्राप्तांक भरना अनिवार्य हैं, अन्यथा नियमानुसार दंडित किया जायेगा।

(2) परीक्षक उत्तर पुस्तिका के अन्दर के पृष्ठों के बायीं ओर निधारित कॉलम में लाल इंक से अंक प्रदत्त करें।

(3) कुल योग भिन्न में प्राप्त होने पर उसे पूर्णांक में ही परिवर्तित कर अंकित करें (उदारणार्थ : 15 ¼ को 16, 17 ½ को 18, 19 ¾ को 20)

प्रश्नवार प्राप्तांकों की सारणी
(परीक्षक के उपयोग हेतु)

प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक	प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक
1		19	
2		20	
3		21	
4		22	
5		23	
6		24	
7		25	
8		26	
9		27	
10		28	
11		29	
12		30	
13		31	
14		योग	
15		प्राप्त अंकों का कुल योग (Roundoff)	
16		अंकों में	शब्दों में
17			
18			

परीक्षक ह

प्रमाणित किया जाता है कि इस उत्तर पुस्तिका के निर्माण में 58 जी.एस.एम्. हस्ताक्षर ....संकेतांक ☐☐☐☐☐

मवोव कागज ही उपयोग में लिया गया है। 161/2017

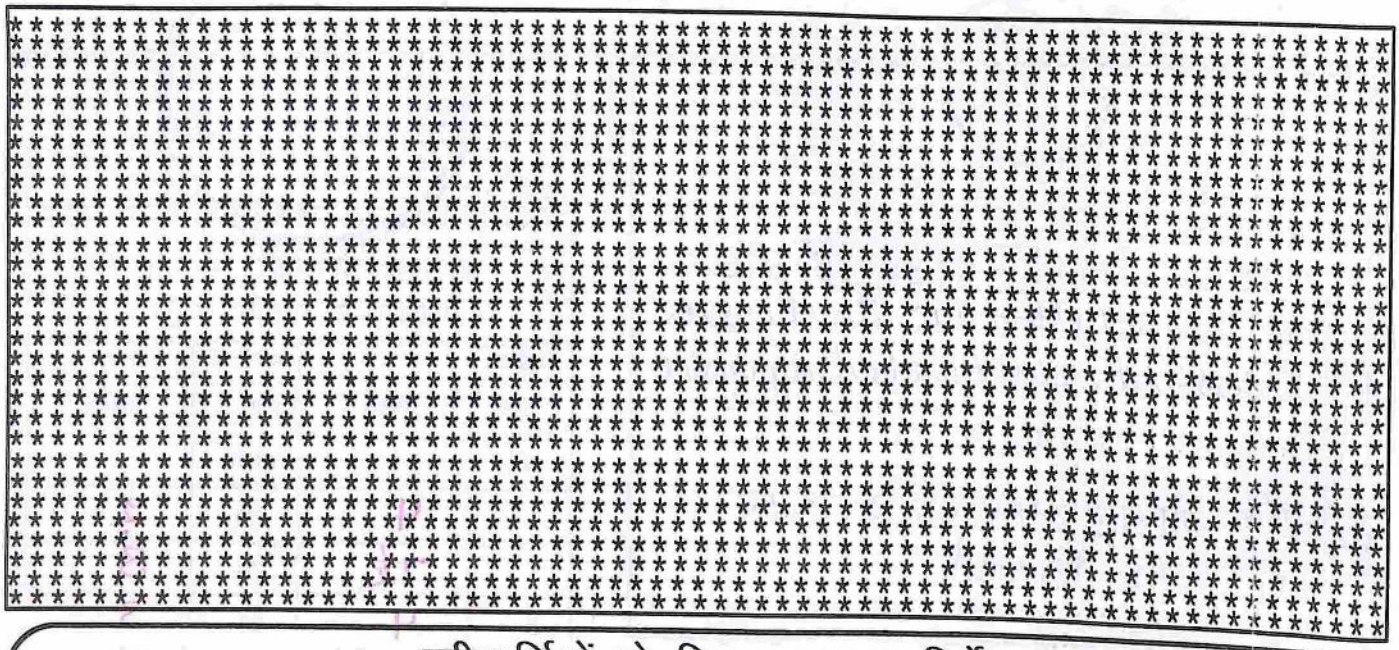

परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश

1. समस्त प्रश्नों का हल निर्धारित शब्द सीमा में इसी उत्तर पुस्तिका में करना है। विशेष परिस्थिति में अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका पृथक से उत्तर पुस्तिका भरी हुई होने पर पर्यवेक्षक एवं वीक्षक की अनुशषां पर ही उपलब्ध कराई जायेगी।
2. प्रश्न–पत्र पर निर्धारित स्थान पर अपना नामांक लिखें।
3. प्रश्न–पत्र हल करने के पश्चात् जिस पृष्ठ पर हल समाप्त होता है, उस पर अन्त में "समाप्त" लिखकर अन्त के सभी रिक्त पृष्ठों को तिरछी लाईन से काटें।
4. निम्न बातों का विशेष ध्यान रखें अन्यथा अनुचित साधनों की रोकथाम अधिनियम के तहत कार्यवाही की जा सकेगी।
   (i) उत्तर पुस्तिका के ऊपर/अन्दर तथा प्रश्नोत्तर के किसी भी भाग में चाही गई सूचना के अलावा अपना नामांक, नाम, पता, फोन नम्बर अथवा पहचान की कोई अन्य प्रकार की सूचना आदि अंकित नहीं करें अन्यथा "अनुचित साधनों के प्रयोग" के अन्तर्गत कार्यवाही की जावेगी।
   (ii) उत्तर पुस्तिका के पृष्ठों को फाड़ें नहीं। उत्तर–पुस्तिका के मुख पृष्ठ पर अंकित संख्या के अनुसार पृष्ठ पूरे होने चाहिये।
   (iii) परीक्षा केन्द्रों पर पुस्तक, लेख, कागज, केलक्यूलेटर, मोबाईल, पेजर आदि किसी भी प्रकार का इलेक्ट्रोनिक उपकरण तथा किसी भी प्रकार का हथियार आदि ले जाना निषेध हैं।
   (iv) वस्त्र, स्केल, ज्योमेट्री बॉक्स पर कुछ न लिखकर लावें। टेबुल के आस–पास कोई अवैध सामग्री नहीं होनी चाहिये, इसकी जांच कर लें।
   (v) अपनी उत्तर पुस्तिका/ग्राफ/मानचित्र आदि परीक्षा भवन से बाहर ले जाना दण्डनीय अपराध है, अतः परीक्षा समाप्ति पर उत्तर पुस्तिका वीक्षक को बिना सौंपे परीक्षा कक्ष नहीं छोड़ें।
5. उत्तरों को क्रमानुसार एक ही स्थान पर लिखें। प्रश्न क्रमांक भी सही अंकित करें, अन्यथा दण्ड स्वरूप परीक्षक को 1 अंक कम करने का अधिकार है। बीच में उत्तर पुस्तिका के पृष्ठ रिक्त न छोड़ें। गणित विषय के लिए रफ कार्य उत्तर पुस्तिका के अंतिम पृष्ठों पर करें तथा तिरछी रेखा से काटें।
6. जहाँ तक हो सके प्रश्न के सभी भाग के उत्तर, उत्तर पुस्तिका में एक ही स्थान पर अंकित करें।
7. भाषा विषयों को छोड़कर शेष सभी विषयों के प्रश्न–पत्र हिन्दी–अंग्रेजी दोनों भाषा में मुद्रित हैं। किसी भी प्रकार की त्रुटि/अन्तर/विरोधाभास होने पर हिन्दी भाषा के प्रश्न को ही सही माना जाये।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
	1	
	क (i)	स्वस्थाः धात्राः
	(ii)	सुस्वास्थ्यम्
	ख	श्रेष्ठजनसंगतौ स्वस्थाः धात्राः निवसन्ति ।
	ग (i)	स्वस्थाः धात्राः
	(ii)	स्वस्थाः
	(iii)	पर्यटन्ति
	(iv)	सेवन्ते
	2	
	क (i)	विज्ञानं
	(ii)	विज्ञानेन
	(iii)	विज्ञानशती
	(iv)	सर्वस्मिन् संसारे
	ख (i)	विज्ञानाविष्कारैः समस्तमेव भूमण्डलं परिव्याप्तम् ।
	(ii)	गृहे आपणे वा, ग्रामे नगरे वा, मनोरंजनक्षेत्रे कार्यक्षेत्रे वा सर्वत्रैव विज्ञानस्यापेक्षा विद्यते ।
	(iii)	ज्ञानस्य कस्मिन्नपि क्षेत्रे यदा मानवः बुद्धिपूर्वकं, तर्कपूर्वकं च कामपि विशिष्टताम् अन्वेषयति, तदा तत् एव वैशिष्ट्यं विज्ञानं भवति ।
	ग	विज्ञानस्य प्रभावः

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

घ (i) संसारे
(ii) मानवः
(iii) दृश्यते
(iv) विद्यते

3

परीक्षाभवनतः
तिथिः 17/03/2017

परमपुज्याः पितृचरणाः,
सादरं प्रणम्यन्ते।

अहमत्र कुशलं (i) भवतां कृपाप्रसादात्। अद्यैव भवतां कृपापत्रं प्राप्तम्। अत्र मम अध्ययनं सुष्ठुरूपेण प्रचलति। अयम् अस्माकं विद्यालयः अतीव श्रेष्ठः अस्ति। अस्मिन् विद्यालये छात्राणां संख्या प्रायः सहस्त्रमस्ति। पुस्तकालयस्य व्यवस्था अपि समीचीना वर्तते। सर्वे विद्यार्थिनः अनुशासिताः सदाचरणशीलाश्च सन्ति। वस्तुतः मम विद्यालयः आदर्शविद्यालयः अस्ति।

भवतां कृपापत्रप्रतीक्षायाम्!

भवतः पुत्रः
अभिषेकः

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

"छात्र - अध्यापकयोः सम्भाषणं"

4
छात्राः - सुप्रभातं, गुरुवर ! नमोनमः ।
अध्यापकः - सुप्रभातं, सर्वेभ्यः दीपावल्याः शुभकामना ।
अध्यापक : - भवतु ! अद्य किं पठनीयम् ।
छात्राः - वयं सर्वे स्वदेशस्य राज्यानां विषये ज्ञातुम् इच्छामः ।
अध्यापकः - शोभनम् । वदत, अस्माकं देशे कति राज्यानि सन्ति ।
मनीषा - चतुर्विंशतिः महोदय ।
अध्यापक : - अशुद्धम्, अन्यः कोऽपि यो शुद्धोत्तरं दातुं शक्यते ।
अनिता - मे भगिनी कथयति यत् अस्माकं देशे अष्टाविंशतिः राज्यानि सन्ति ।
अध्यापकः - सम्यक् जानाति ते भगिनी ।

शरीरस्य आयासजननं कर्म व्यायामः इति कथ्यते ।
5 i अरयः व्यायामिनं न अर्दयन्ति ।
ii आत्महितैभिः सर्वदा व्यायामः कर्तव्यः ।
iii व्यायामं कुर्वतः विरुद्धं भोजनम् अपि परिपच्यते ।
iv गात्राणां सुविभक्तता व्यायामेन संभवति ।
v यो मनुष्यः सम्यक् रूपेण व्यायामं करोति, सः नीरोगी भवति ।
vi व्यायामिनः जनस्य सकाशं वार्धक्यम् अपि नायाति ।
vii अतः अस्माभिः व्यायामः अवश्यमेव कर्त्तव्यः ।
viii

P.T.O

परीक्षक द्वारा | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

6 i) विचित्रे खलु संसारे नास्तिकिञ्चिन्निरर्थकम् ।
अश्वश्चेद् धावने वीरः भारस्य वहने खरः ॥

ii) आलस्यं हि मनुष्याणां शरीरस्थो महान् रिपुः ।
नास्त्युद्यमसमो बंधुः कृत्वा यं नावसीदति ॥

7 — सन्धेः नाम

i) यथा + इच्छम् → यथेच्छम् — गुण स्वर संधि

ii) प्रियं वद → प्रियम् + वद — अनुस्वार व्यंजन संधि

iii) यशोगानम् → यशः + गानम् — उत्व विसर्ग संधि

8 i) निर्जनम् → जनानाम् अभावः — अव्ययीभाव समास

ii) पाणिपादम् → पाणि पाणी च पादौ च तेषाम् समाहार: — समाहार द्वन्द्वसमास

iii) कज्जलम् इव मलिनं → कज्जलमलिनं — कर्मधारय समास

9 i) सः हसन् गृहं प्रति धावति । (हस् + शतृ)

ii) भर्तृहरिः बुद्धिमान् राजा आसीत् । (बुद्धि + मतुप्)

iii) इयं नर्तकी शोभनं नृत्यति । (नर्तक + ङीप्)

iv) इदं दर्शनीयं उद्यानम् अस्ति । (दृश् + अनीयर्)

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
	10 i	त्वं विद्यालयं कदा गच्छसि ?
	iii	अहं तत्र सम्प्रति एव गच्छामि ।
	iii	नेहा ह्यः विद्यालयं कथं नागच्छत् ?
	iv	सा श्वः विद्यालयं अवश्यमेव आगमिष्यति ।
	II i	बलवता विरुद्धमपि भोजनं पच्यते ।
	ii	लता गीतं गायति ।
	iii	ऋजुलेन सुन्दरः लेखः लिख्यते ।
	iv	कृष्णः कंसम् हन्ति ।
	12 i	आशुतोषः प्रातः सार्धचतुर्वादने व्यायामं करोति ।
	ii	सः सायं सपादपञ्च वादने क्रीडनाय गच्छति ।
	iii	स्वाध्यायानन्तरं रात्रौ सः पादोनदशवादने शयनं करोति ।

PTO

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
	13 i	एकस्मिन् ग्रामे एकः कृषकः निवसति स्म ।
	ii	87 – सप्ताशीतिः
	14 i	भवन्तः कुत्र गच्छन्ति ?
	ii	अहं श्वः विद्यालयं न गमिष्यामि ।
	15 क i	राज्ञः
	ii	मुनेः उत्तरं
	ख	मुनिः निरन्तरं आश्रमस्य कर्षणं, मार्जनं, सेचनं तथा अन्यानि कार्याणि कर्तुं व्यापृतः ।
	ग	कार्याणि
	घ	चकार
	ङ.	प्रत्यावर्तनस्य

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
	16 क. i	राजहंसेन
	ii	सरोवरस्य
	ख	राजहंसेन सरोवरस्य अम्बूनि निपीतानि ।
	ग	नलिनानि
	घ	उपकारः
	ङ.	भवता
	17 क. i	कुशलवौ
	ii	राम:
	ख	कुशलवयोः समुदाचारः उदात्तरम्यः ।
	ग	समरूपः
	घ	श्रावयामि
	ङ.	समुदाचारः
	18	समभावसूक्ति ⇒ लोके बुद्धिमान् महतो भयात् बुद्धया मुच्यते ।
		भावबोधनं → हे तन्वि ! सदा सर्वेषु कार्येषु बुद्धिः

PTO

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

बलवती भवति । अतः अस्माभिः बुद्धया सर्वाणि कार्याणि कर्त्तव्यानि । वयं बुद्धायाः प्रयोगेन स्वस्य भयात् मुक्तो भवितव्यम् ।

19 एक एव (i) मानी खगः चातकः (ii) वने वसति ।
वा पिपासितः (iii) म्रियते पुरन्दरम् (iv) याचते वा ॥

20 (i) चौरः किम् क्षिप्त्वा निर्गतः ?

(ii) निर्धनः जनः केन कारणेन पदातिरेव गच्छति ?

(iii) सिंहः कुत्र वसति ?

21 (i) कस्मिंश्चिद् ग्रामे एकः निर्धनः ब्राह्मणः निवसति स्म।
(ii) ब्राह्मणस्य धर्मपत्न्याः नामासीत् दयावती ।
(iii) दयायाः साक्षात् प्रतिमैवासीत् दयावती ।
(iv) पतिव्रतधर्मपरायणा दयावती गार्हस्थ्यजीवने निर्धनं ब्राह्मणं पतिं लब्ध्वापि सुखमनुभवति स्म ।
(v) एकदा सा जलाहरणाय घटमादाय कूपं प्रति गतवती ।
(vi) कूपात् जलमाहृत्य जलेन पूरयामास ।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर	
		(क)	(ख)
	22 i	यथेष्टम् –	इच्छानुसारम्
	ii	उदरे –	कुक्षौ
	iii	सुधियः –	विद्वांसः
	iv	अरयः –	शत्रवः
	v	भणति –	कथयति
	vi	मुञ्चति –	त्यजति

|| समाप्त ||

3पाप

BSER-16/2017